

pag. 2. Ἀρχὴ σὺν Θεῷ Γενιτῶν Θεοφίλῃ Ἀγκλήτωρ^Θ πρὶν κέππο κορυφίμαυς ἰνσιτῶτα, τῶσι, διάταξις βεβαύσα τὰ ἰνσιτῶτα. Ad calcem hujus Constitutionis fol. 7. subjungitur Adnotatio his verbis. σημείωσαι, ὅτι εἰσὶ πᾶσι τῶν ζῶν μὴ πμῶντα τὸν φυσικὸν νόμον τῶτον &c.

Τῆς Α'. Γενιτῶν^Θ. Institutionum Liber primus. Τίτλ^Θ δ'. περὶ δικαιοσύνης καὶ νόμου, de Justitia & Jure. Vechel. pag. 45. Tornæs. pag. 8. Cod. Palat. xix. f. 7. p. 2. Γενιτῶν^Θ Βιβλίον δ'. Sed deest Titulus de Justitia & Jure, ejusque locum occupat Titulus secundus in Vulgatis.

Β. περὶ νόμου φυσικῆ, ἠθικῆ, καὶ πολιτικῆ. De Jure naturali, gentium, & civili. Init. φυσικὸν νόμον εἰσι, τὸ κατὰ πάντων ζῶν, χερσαίων, εὐδῶν, καὶ ἀέριων ἐπεκτεινόμενον. Cod. Palat. fol. 7. pag. 2. Titulus 1. περὶ νόμου φυσικῆ &c.

γ'. περὶ νόμου προσωπικῆ. De jure personarum. εἰπόντες, τί εἰσι δικαιοσύνη. Cod. Palat. fol. 13. pag. 2. Tit. 11. δ'. περὶ ἐγγενείας. De Ingeniis. εἰρηκαμεν τὸν ἐλευθερον εἰς δύο διαμεῖσθαι. Cod. Palat. f. 14. p. 2. Tit. 111.

ε'. περὶ ἀπελευθέρων. De Libertinis. εἰρηκαμεν, τίνες εἰσὶν ἐγγενεῖς. εἰπόμεν καὶ τὰς ἀπελευθέρους. Cod. Palat. f. 15. pag. 2. Tit. iv.

ς'. Τίνες καὶ ἐκ ποίων αἰτιῶν ἐλευθερῶν εἰ δύναται. Quibus ex causis manumittere non licet. εἰδὶδαξεν ἡμᾶς τὸ προλαβόντα, κατὰ πόσους τρόπους γίνεται ἡ ἐλευθερία. Cod. Palat. fol. 18. pag. 2. Tit. v.

ζ'. περὶ νόμου φυσικῆ ἀναμείσεως. De Lege Fusia Caninia tollenda. ὁ μὲν ἀέλι^Θ σέντιος τῶ ἐλάττων τῶν καὶ εἰαυτῶν δεσπότη. Vechel. pag. 91. Tornæs. pag. 69. Cod. Palat. non habet hoc loco, sed extra numerum fol. 1. sed pro Fusia, & Phuphia, legendum Furia. Auctor enim Legis est, ὁ φέλι^Θ κανίνιος, quemadmodum in textu legitur.

η'. Τίνες ἰδῆς, ἢ ἀλλοτῆς δικαῖς εἰσὶν. De his, qui sui sunt vel alieni juris. πεπλήρωται ἡμῖν ἡ πρώτη τῶν προσώπων διαμείσεως. Cod. Palat. f. 22. p. 2. Tit. vi.

θ'. περὶ πατριῆς ἐξουσίας. De patria potestate. ἔγνω